मानवरहित विमान तापस - 201 (रुस्तम - 2) का सफल परीक्षण

drishtiias.com/hindi/printpdf/successful-test-of-unmanned-aerial-tapas

मानवरहित विमान तापस-201 (रुस्तम-2) का सफल परीक्षण

दो साल की देरी से लड़ाकू ड्रोन रुस्तम-2 ने 16 नवंबर को पहली उड़ान भरी। रुस्तम-2 यानी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) का अनमैंड कॉम्बैट एयर व्हीकल (यूसीएवी या ड्रोन) दो इंजनों से लैस भारतीय ड्रोन है जिसे अमेरिकी लड़ाकू ड्रोन को टक्कर देने हेतु बनाया गया है। रुस्तम-2 को जंग के मैदान के अलावा नेवीगेशन के लिये भी इस्तेमाल किया जा सकता है। सिंथेटिक अपर्चर रडार होने से रुस्तम-2 बादलों के पार देखने में भी बखूबी सक्षम है। भविष्य में डीआरडीओ इसे तीनों सेनाओं को सौंप सकता है।

9.5 मीटर: तापस- 201 (रुस्तम-2) की लंबाई

20 मीटर: डैनों की लंबाई

1000 किमी.: उड़ान सीमा

35 हज़ार फीट की ऊँचाई पर उड़ान भरने में सक्षम

24-30 घंटे तक भर सकता है उड़ान

350 किग्रा. वजन लेकर उड़ सकता है

225 किमी प्रति घंटा अधिकतम रफ्तार

250 किमी. दूरी तक मिसाइल से वार करने में सक्षम

250 किमी. दूरी तक सूचना देने-लेने में सक्षम

विकास क्रम

- 2010 में डीआरडीओ ने अमेरिकी लड़ाकू ड्रोन आरक्यू-1 की टक्कर का ड्रोन बनाए जाने की बात स्वीकारी।
- 2012 में इसका डिज़ाइन तैयार।
- सितंबर 2013 में बेंगलुरू की कोलार एयरफील्ड में परीक्षण शुरू।
- फरवरी 2014 को इसकी पहली उड़ान प्रस्तावित थी लेकिन कुछ कारणों से यह टलती गई।

अमेरिकी आरक्यू-1

यह ड्रोन 24 घंटे लगातार 217 किमी.

भारत के पास लगभग 200 ड्रोन

ड्रोन	बनाने वाला देश	संख्या	रोल

प्रति घंटा की रफ्तार से 1,100 किमी. की दूरी तक 25 हज़ार फीट पर उड़ान भर सकता है। इसमें हेलफायर, स्टिंगर, ग्रिफिन जैसी शक्तिशाली मिसाइलें इस्तेमाल होती हैं। अमेरिका ने इसका इस्तेमाल अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान, यमन, लीबिया, सोमालिया, सीरिया और फिलीपींस जैसे देशों में किया।

आइएआइ हार्पी	इज़रायल	5+	लड़ाकू
आइएआइ हैरोप	इज़रायल	10	लड़ाकू
आइएआइ हेरोन	इज़रायल	50+	नेवीगेशन
आइएआइ सर्चर	इज़रायल	100+	निगरानी व तलाशी
डीआरडीओ निशांत	भारत	12+	निगरानी व तलाशी
डीआरडीओ लक्ष्य	भारत	39	एरियल टार्गेट सिस्टम

तैयारी जारी:

डीआरडीओ इसके लिये हेलिना नामक एयर लॉन्च्ड एंटी आर्मर सिस्टम भी तैयार कर रहा है। वहीं अन्य मिसाइलें भी लगाने पर शोध जारी है।

आइएआइ हेरोन की जगह लेगा:

रुस्तम-2 को इज़रायली आइएआइ हेरोन नेवीगेशन ड्रोन की जगह लेने या उसके साथ इस्तेमाल के लिये बनाया गया है। आइएआइ हेरोन एक बार में 52 घंटे तक लगातार उड़ान भरने में सक्षम है। 350 किमी. उड़ान सीमा के साथ यह 207 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से दस हज़ार फीट की ऊँचाई पर उड़ान भर सकता है।